



Deepak



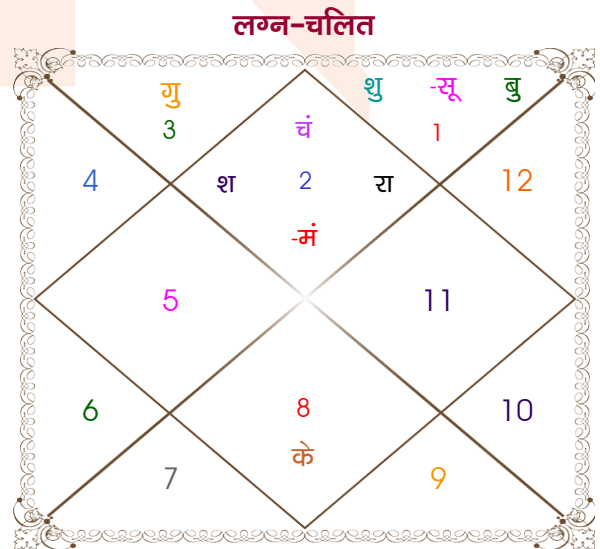
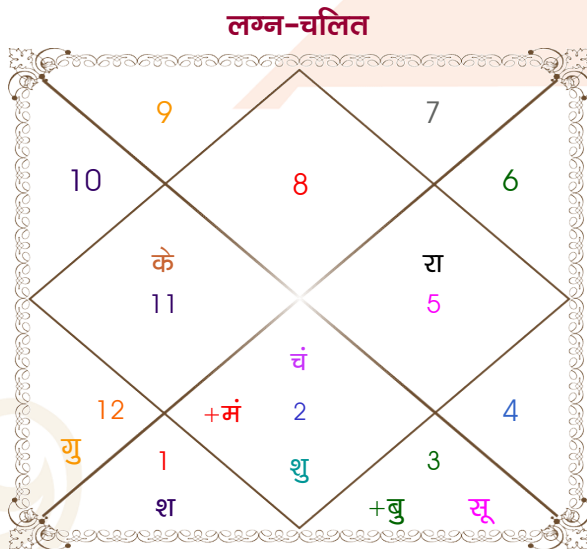
Swati

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121777102

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 22/06/1998 : _____ जन्म तिथि _____ : 17/04/2002
 सोमवार : _____ दिन _____ : बुधवार
 घंटे 16:40:00 : _____ जन्म समय _____ : 09:20:00 घंटे
 घटी 27:56:54 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 08:25:18 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Alwar : _____ स्थान _____ : Narnaul
 27:32:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:04:00 उत्तर
 76:35:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 76:10:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:23:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:25:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:29:14 : _____ सूर्योदय _____ : 05:59:01
 19:21:53 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:51:25
 23:50:01 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:53:03

विंशोत्तरी चन्द्र 6वर्ष 7मा 30दि राहु	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 0वर्ष 10मा 6दि राहु
21/02/2012	02:27:49	वृश्चि	लग्न	वृष	28:46:34	21/02/2010
20/02/2030	07:00:23	मिथु	सूर्य	मेष	03:04:54	22/02/2028
राहु	14:26:40	वृष	चंद्र	वृष	22:11:59	राहु
03/11/2014	26:40:36	वृष	मंगल	वृष	08:27:10	03/11/2012
29/03/2017	20:59:16	मिथु	बुध	मेष	13:49:10	30/03/2015
03/02/2020	03:11:04	मीन	गुरु	मिथु	15:01:21	03/02/2018
22/08/2022	03:43:59	वृष	शुक्र	मेष	25:37:47	22/08/2020
10/09/2023	07:22:27	मेष	शनि	वृष	18:05:19	10/09/2021
09/09/2026	09:41:14	सिंह	राहु	वृष	25:03:10	10/09/2024
04/08/2027	09:41:14	कुंभ	केतु	वृश्चि	25:03:10	04/08/2025
02/02/2029	18:24:39	मक	हर्ष	कुंभ	04:04:46	03/02/2027
20/02/2030	07:44:12	मक	नेप	मक	16:54:28	22/02/2028
	12:11:54	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	23:32:28	



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Deepak का नक्षत्र रोहिणी है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Swati का नक्षत्र रोहिणी है।

Deepak का वर्ग मृग है तथा Swati का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Deepak और Swati का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Deepak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ॥**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Deepak कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Deepak कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Swati मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है ।
क्योंकि मंगल एवं राहु Swati कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है ।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता ।
क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है ।

क्योंकि शनि Deepak कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।
Deepak तथा Swati में मंगलीक मिलान ठीक है ।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है ।